स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 1st to 15th January, 2026

स्वदेशी शोध संस्थान
धर्मस्य मूलं अर्थः

Economics & more...

Special Article

The Indian Way of Strategic Diversification in the Multi-aligned World Order

- Dr Rakesh Arya

India's contemporary foreign policy reflects a distinctive strategy of strategic diversification in an increasingly fragmented and multi-aligned world order. Moving beyond the binaries of Cold War non-alignment and post-Cold War strategic autonomy, India has adopted a pragmatic approach that combines issue-based partnerships, flexible alignments, and calibrated hedging across competing power centres. This article conceptualizes the "Indian Way" of strategic diversification as a deliberate effort to expand diplomatic, economic, technological, and security options while avoiding overdependence on any single bloc or power.

Read More...

News at a glance...

GDP growth for FY26 to be around 7.5% with upward bias: SBI Research
Read more...

Silver ETFs soar over 153% in 2025, beating gold ETFs across time-frames
Read more...

Mutual Fund industry sees Rs 66,591 crore outflow in December
Read more...

RBI Governor stresses collaborative, customer-centric supervision in the digital age
Read more...

Nearly 73% fertiliser demand met via domestic output: Govt
Read more...

Centre achieves 73% of direct tax annual target till Jan 11
Read more...

Banks to float own pension funds
Read more...

Research Article

Operation Sindoor: A Narrative Warfare Lens

- By Leena

The paper aims to examine how Bharat strategically used international institutions and foreign media after the Operation Sindoor. This article examines how Bharat applied diplomatic lobbying and engagement with the international media to disrupt Pakistan's terror funding post the Operation Sindoor. The article subsequently observes how the portrayal by the international media changed public perception of it globally.

Read More...

More Updates

Equity fund inflows fall 6% in Dec 2025; gold ETFs clock 211% rise: AMFI
Read more...

SEBI eases accreditation requirements for AIF investors
Read more...

ISRO's PSLV-C62 in trouble – Rocket deviates from flight path after disturbance observed in third stage
Read more...

India faces early prospect of 500% tariffs in US market
Read more...

States' subsidies account for around 8% of their revenue expenditure
Read more...

सफलता की कहानी

श्री जीतयाभ कोंडर-काभधेनु : साधारण गाँव के एक किसान ने 6000 किसानों को जोड़कर बनाई गई स्वायत्त एन.जी.ओ

श्री जीतराम कोंडल जी हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के नमहोल गांव के निवासी हैं। जब उन्होंने देखा कि उनके क्षेत्र की जमीन पहाड़ों पर स्थित होने की वजह से समतल नहीं है एवं हर एक किसान भाई के पास मात्र एक हेक्टर से भी कम की जमीन है जिसमें से उपजाऊ जमीन केवल एक तिहाई है तो उन्होंने इस विषय में अपने सभी किसान भाइयों के लिए कुछ करने का सोचा। परंतु समस्या जटिल थी। देखा जाए तो वह अपने भूतल के लिए कुछ भी नहीं कर सकते थे। हल केवल एक था कमाई का दूसरा जरिया खोजना। वह और उनके सभी किसान भाई खेती के अलावा एक दो गाय पाला करते थे और जिसका दूध वह सरकारी मिल्क फैडरेशन को बेचा करते थे परंतु वहां से उन्हें अधिक भाव नहीं मिलता था। तब वर्ष 2001 अक्टूबर में उन्होंने कामधेनु हितकारी मंच का निर्माण किया।

यह एक गैर सरकारी एन.जी.ओ है जिसका लक्ष्य था हिमाचल के पिछड़े हुए जिलों का उत्थान करना एवं वहां की जनजाति की कमाई बढ़ाना। इस हितकारी मंच के भीतर उन्होंने सभी किसानभाइयों से अच्छे भाव पर दूध खरीदना शुरू कर दिया एवं उस दूध को पॉश्चराइज कर उसके अलग-अलग उत्पादक बनाना शुरू किया। वह बताते हैं कि पहले दिन दस-बारह लोग उनके इस मंच से जुड़े और केवल सेन्तीस लीटर दूध इकट्ठा हुआ जिससे उन्होंने पनीर एवं अन्य उत्पादन बनाएं।

आज 22 वर्ष उपरांत कामधेनु हितकारी मंच ने भारत सरकार, हिमाचल सरकार, विभिन्न एजेंसियां जैसे कि नाबार्ड, वर्ल्ड बैंक फंडिंग से मदद लेकर वह 350 गांव के 6000 परिवारों को अपने साथ जोड़ चुका है एवं रोज का चालीस हजार लीटर दूध इकट्ठा करता है। बहुत ही व्यवस्थित तरीके से यह मंच उन सभी किसानों से घर-घर जाकर सुबह -शाम डिलीवरी वेन के द्वारा उनका दूध टेस्ट कर एकत्रित करता है एवं उन्ही के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर देता है। यह संस्था उन सभी को घर-घर गाय के लिए बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा भी पहुंचती है, जिसके लिए इन्होंने स्वयं का कैटल फीड प्लांट बनाया हुआ है। कामधेनु संस्था का सालाना टर्नओवर सो करोड़ रुपए के लगभग है एवं ढाई सौ लोगों को प्रत्यक्ष तथा छहहजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है।

SSS EVENT

Pran Pratishtha Ceremony

Swadeshi Shodh Sansthan is grateful to have successfully hosted the Pran Pratishtha Ceremony on 14th January at Gyan Kunj, DDU Marg, New Delhi.

This sacred event was not only a spiritual milestone but also a reaffirmation of our commitment to preserving and celebrating the essence of Sanatan Dharma and India's cultural heritage.

The ceremony was graced by the presence of our chief hosts, Mrs. Madhu Dabar Ji and Mr. Pooran Dabar Ji, along with our honored guests, Shri Kashmirilal Ji and Shri Ashwini Mahajan Ji. Their blessings and guidance enriched the occasion, making it truly memorable.

स्वदेशी विचार

आत्मनिर्भरता समय की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भारत की नींव है।

~ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal

Editor : Prof. Sunita Bharatwal

Co-Editor : Dr. Shabana

Section Editor : Ms. Urshita Bansal

Technical & Design : Mr. Naman Kashyap